आखिर कैसे नष्ट हुई सिंधु घाटी सभ्यता, क्या है हड़प्पा का रहस्य ?

भाग-2

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

SNSRKS, कॉलेज सहरसा

सिंधु घाटी सभ्यता का विकास

सिंधु घाटी सभ्यता का विकास कैसे हुआ. क्या बाहर से आये कुछ लोगों ने इस सभ्यता को अंजाम दिया. या फिर आर्य या द्रविड़ से सिंधु घाटी सभ्यता का विकास हुआ. सिंधु घाटी सभ्यता का विकास को लेकर इतिहासकारों में एक लम्बी चर्चा एवं बहस रहा है. इस पर विभिन्न विद्वानों की अलग-अलग राय है. इनमे से कुछ मुख्य तथा सर्वाधिक लोकप्रिय सिद्धांत निम्न है.

1. विदेशी उत्पति का सिद्धांत- विद्वानों के एक वर्ग मार्टिनर, व्हीलर, गार्डन चाइल्ड, केमर, डीडी कौशाम्बी आदि के अनुसार कालक्रम में मेसोपोटामिया वासी सिन्धु क्षेत्र में प्रवासन करके आये और अंत में इस सभ्यता को अंजाम दिया. वर्तमान में इस मत को पुर्णतः ख़ारिज कर दिया गया है.

2. आर्यों से उत्पत्ति का सिद्धांत- लक्ष्मणस्वरूप सहाय तथा रामचंद्रन जैसे विद्वान आर्यों को हड़प्पा सभ्यता का जनक मानते है. इस मत को भी नहीं माना जाता है, क्योंकि दोनों के तिथि क्रम में अंतर है साथ ही आर्य ग्रामीण थे, जबकि हड़प्पाई शहरी थे.

3. द्रविड़ो से उत्पत्ति का सिद्धांत- RD बनर्जी जैसे विद्वान द्रविड़ो को इस सभ्यता का जनक मानते है लेकिन इस मत को भी मानने में कठिनाई है क्योंकि द्रविड़ ग्रामीण संस्कृति के लोग थे, जबकि हड़प्पाई शहरी लोग थे.

4. स्वदेशी से उत्पत्ति का सिद्धांत- रोमिला थापर, आल्चिन दंपति, अमलानन्द घोष ने इस सभ्यता की उत्पत्ति के लिए स्वदेशी से उत्पत्ति का सिद्धांत दिया. यह सर्वाधिक मान्यता प्राप्त मत है, क्योंकि इस मत को देने वाले विद्वानों ने पुरातात्विक आकड़ो के आधार पर हड़प्पा के शहरी अवस्था से पूर्व की ग्रामीण अवस्था से विकास संबंधी साक्ष्य (गाँव), अर्द्ध शहर (टाउन) दिखलाये है.